देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 06.01.2026
समय 1305

**मुख्य समाचार :–**

- सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को ईपीएफओ वेतन सीमा संशोधन पर चार महीने के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया।
- उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम से 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र वाले अशिक्षित लोगों को साक्षर बनाया जायेगा।
- अल्मोड़ा में भित्ति चित्र के माध्यम से लोक कला और संस्कृति को संरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है।
- चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने औद्योगिक विकास को गति देने और उद्यमियों की समस्याओं के समाधान करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

**सर्वोच्च न्यायालय**

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन–ईपीएफओ को कर्मचारी भविष्य निधि योजना–ईपीएफएस के तहत वेतन सीमा में संशोधन पर चार महीने के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। पिछले 11 वर्षों से इसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

**नवभारत साक्षरता**

15 वर्ष या उससे अधिक उम्र वाले अशिक्षित रह गए लोगों के लिए केंद्र सरकार उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चला रही है। इस संबंध में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद– एनसीईआरटी की प्रभारी उषा शर्मा ने देहरादून में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र वाले उन सभी व्यक्तियों को पढ़ने और लिखने का मौका मिलेगा, जो मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान पाने में असमर्थ रहे। इसको लेकर पहली अप्रैल, 2022 से राष्ट्रीय स्तर पर नवभारत साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि पहले इसे प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के नाम से भी जाना जाता था, अब इसे उल्लास नाम दिया गया है।

**जी राम जी उत्तरकाशी**

प्रदेश में विकसित भारत– जी राम जी योजना का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। इस योजना के तहत ग्रामीणों को एक सौ के बजाय 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। साथ हीयोजना के तहत श्रमिकों और ग्रामीण क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित किया जाएगा। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि जिला प्रशासन ने योजना के बारे में जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम शुरू कर दिया है।

वहीं, जिन ग्रामीणों को इस योजना की जानकारी है, वो इसे सरकार का अच्छा कदम बता रहे हैं।

## भित्ति चित्र

सांस्कृतिक नगरी के रूप में प्रसिद्ध अल्मोड़ा नगर के प्रमुख स्थानों और अन्य स्थानों पर अब भित्ति चित्रों के माध्यम से पहाड़ी जीवन और लोक संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। नगर निगम की ओर से मॉल रोड से मल्ला महल को जोड़ने वाले मार्ग पर पहाड़ी जीवनशैली, बाख़ली, लोक नृत्य, छोलिया और अन्य सांस्कृतिक धरोहरों पर आधारित भित्ति चित्र बनाए गए हैं। इनके माध्यम से स्थानीय संस्कृति को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया है, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है। नगर निगम की यह पहल न केवल नगर की सुंदरता बढ़ा रही है, बल्कि देश–विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी पहाड़ी संस्कृति से रूबरू करा रही है। निगम के मेयर अजय वर्मा ने कहा कि संस्कृति के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भित्ति चित्रों के माध्यम से यहां कि संस्कृति को दर्शाया जा रहा है।

वहीं कनाडा में रह रही अल्मोड़ा की रीना भी अपनी पर्वतीय संस्कृति पर बने चित्रों को देखकर काफी खुश नजर आई।

## उद्योग मित्र बैठक

चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जिले में औद्योगिक विकास को गति देने और उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला उद्योग मित्र समिति की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए उद्योगों का विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा और सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने बिजली व पानी की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार, सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा उद्यमियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

## सेवा अभियान

उत्तरकाशी जिले में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शीतकाल के दौरान भारत–तिब्बत सीमा क्षेत्र की अग्रिम चौकियों में सेवा अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। श्री काशी विश्वनाथ सेवा मंडल द्वारा सीमांत क्षेत्रों में कार्यरत सीमा सड़क संगठन– बीआरओ के कामगारों, उनके परिजनों और गंगोत्री धाम में साधनारत साधु–संतों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई। सेवा मंडल ने नेलांग घाटी सहित नागा, पीडीए, सुमला, मंडी, जादूंग और नीला पानी क्षेत्रों में कार्य कर रहे स्थानीय और अन्य प्रदेशों के श्रमिकों को कंबल, दस्ताने, मोजे, मूंगफली, गुड़ और चना सहित अन्य जरूरी वस्तुएं प्रदान कीं। वहीं गंगोत्री धाम में साधना कर रहे साधु–संतों को भी शीतकालीन उपयोग की सामग्री वितरित की गई। इसके अलावा श्रमिकों के बच्चों को पठन सामग्री, वस्त्र और बिस्किट आदि देकर उनके अध्ययन व पोषण में सहयोग

किया गया। सेवा मंडल ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों में कार्यरत श्रमिकों व साधना में लीन साधु–संतों की सेवा ही सच्चा धर्म है और भविष्य में भी यह सेवा अभियान निरंतर जारी रहेगा।